प्रतिवेदन

2018 - NSS CAMP G.M.K.G.C DANTEWADA
TEKNAAR

दन्तेवाड़ा जिला के ग्राम टेकनार के सेवा केन्द्र में दिनांक 28 नवम्बर से 4 दिसम्बर तक. शा.क.म. की छात्राओं का NSS के वार्षिक शिविर का आयोजन 51 स्वयं सेवक सहायक कार्यक्रम अधिकारी और कार्यक्रम अधिकारी पूरे जोश और उत्साह के साथ शिविर स्थल टेकनार के सेवा केन्द्र पहुंचे।

जैसा की NSS के स्वयं सेवकों को प्रतिवर्ष अपने महाविद्यालय से 8 K.m के दायरे में समाज सेवा, समाज की आवश्यकताओं को जानने उनकी कठिनाइयों को समझने और यथा संभव उनकी समस्याओं का समाधान करने के साथ ही स्वयं सेवकों के व्यक्तित्व विकास के उद्देश्य को लेकर समूह कार्य करते हैं इन्हीं उद्देश्यों को लेकर अपना इस वर्ष एक मुख्य थीम सशक्त महिला सशक्त समाज लेकर ग्राम टेकनार आए।

प्रथम दिवस टेकनार आकर सरपंच से संपर्क कर भवन खुलवा साफ सफाई किया अपने सामान व्यवस्थित किए और शिविर के उद्घाटन की तैयारी की। स्वयं सेवकों को पांच समूहों में बांट दिया और जैसा की हमारी मुख्य थीम है सशक्त म.से. समाज समूहों का नाम कल्पना चावला, मैरी कॉम, लक्ष्मी बाई, किरण बेदी और प्रतिभा पाटिल जैसी मशहूर महिला हस्तियों पर रखा गया।

उद्घाटन में ग्राम की सरपंच कारोबाई, पंचायत सदस्य श्री शिवलाल नाग, महा. वि. के प्राचार्य श्री डॉ आर के पुरोहित सर NSS के जिला संगठक श्री नेताम सर, ज-भा महा. से डॉ. विवेक शर्मा श्री सुरेन्द्र साहू सर और अन्य प्राध्यापक गणों ग्रामीण जनों की उपस्थिति में शुभारंभ हुआ।

इन सात दिनों में प्रत्येक दिन की दिनचर्या निर्धारित थी जिसमें सुबह 4 से 10 बजे तक का समय था। हर दिन प्रातः 6 बजे हम प्रभात फेरी को निकलते थे जिसमें बैंड नारों और गीतों के साथ हम गांव की गलियों में संदेश देते थे सद्भावना का, देश प्रेम का भाईचारे का। पी.टी. योगा, परियोजना कार्य, भोजन विश्राम के पश्चात बौद्धिक परिचर्चा फिर देशी खेल कूद. सर्वे, शिविर चर्चा और फिर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रत्येक दिन निर्धारित समय पर होता था।

नाश्ते के पश्चात प्रातः 8:30 बजे से हर दिन समूहों में बंटकर हम निकल पड़ते थे उन निर्धारित स्थानों की ओर जहां जहां के लिए हमने योजना बनाई थी। 29 नवम्बर को हमने ग्राम के प्रसिद्ध मंदिर माता मंदिर में साफ सफाई और श्रमदान की लिपाई की। शिविर के आसपास सफाई की NSS के झंडों को लगाया दो गड्ढे गीले और सूखे कचरे के लिए बनाए ईंटों का घेरा लगाया पर अफसोस की खाद्य पदार्थ के लालच में जानवरों ने उसे तहस नहस कर डाला। हमने बर्तन धोने का चबूतरा बनाया पानी निकासी के लिए नाली बनाए।

P.T.O.

30 नवम्बर को गांव में पानी के लिए बने कुँआ के आसपास सफाई एवं सोख्ता गड्ढे बनाए। 1 दिसम्बर को कुम्हारपारा के नालों के आसपास सफाई और सोख्ता गड्ढे का निर्माण किया ग्रामीण जनों से दूषित पानी से होने वाले रोगों के संबंध में चर्चा किया। 2 दिसम्बर को गांव में हो रहे जैविक कृषि खेत का भ्रमण किया और उसके संबंध में जानकारि ली जैविक खाद के बारे में जाना और खाद बनाने के लिए श्रमदान किया। 3 दिसम्बर को हम ने दीनदयाल गौ संवर्धन केन्द्र ग्राम को जाकर स्वयं सेवकों ने गौ पालन के बारे में जाना। फिर ग्राम देशी गाय गोमूत्र गोबर के महत्वपूर्ण उपयोग औषधि के रूप में इसके बारे में वहां के संरक्षक श्री रामगोपाल अग्निहोत्री जी ने व्याख्या करके के मार्मिक विषय को जानकारी दी।

शिविर के प्रत्येक दिन दोपहर 2 से चार के बीच बौद्धिक परिचर्चा का आयोजन किया गया जिसके तहत 29 नवम्बर को रोजगार एवं व्यक्तित्व विकास विषय पर परिचर्चा के क्रम में डिप्टी कलेक्टर, सुश्री प्रीति दुर्गम मैडम ने बताया की हमें स्वयं अपनी पहचान बनानी है अपने सपनों को आयाम देना है। जिला रोजगार अधिकारी श्री शेरसिंह चिकवार जी ने ~~सरकारी~~ रोजगार कार्यालय में पंजीयन किस तरह कराएं और उसका महत्व के बारे में बताये। 30 नवम्बर को विधिक जागरूकता का सत्र जिसमें जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव श्री महेश बाबू साहू ने महिला और बच्चों से सम्बंधित कानूनी जानकारी बिना लाइसेंस दुर्घटना एक्ट, पाक्सो, बाल-श्रम, बालविवाह, महिला उत्पीड़न के संबंध में आम धारणाओं कई मनोरंजन और ज्ञानवर्धक प्रश्न पूछे कानून अंधा होता है क्यों मृत्युदंड पर पेन की नीब क्यूं तोड़ी जाती है इत्यादि। 1 दिसम्बर को विश्व एड्स दिवस के अवसर पर शिविर में डॉ प्रतिशंकर भगत, श्री डॉ देवदीपक और डॉ. सोमेश मौर्य ने हम स्वयंसेवकों ग्रामीण जनों को महत्वपूर्ण जानकारी और प्रश्नों का उत्तर दिये। 2 दिसम्बर को मतदाता जागरूकता और 3 दिसम्बर यातायात जागरूकता के लिए निर्धारित था यातायात विभाग से श्री भावसिंग नेताम और श्री रजत कुमार जी ने यातायात संकेतों का विवरण दिया इस तरह हमारा बौद्धिक परिचर्चा का सफल समापन हुआ। खेल के कार्यक्रमों में हर दिन कबड्डी, बॉलीबॉल क्रिकेट बैडमिंटन, दौड़ खेले गए।

शिविर के हर दिन शाम 5:30 से 6:30 का समय सर्वे का होता था और समूह हर दिन सर्वे प्रपत्र लेकर अलग अलग वार्ड में जाकर उनसे पूछते प्रपत्र भरते और लोगों को स्वास्थ्य, रोजगार, व्यक्तित्व विकास पर जागरूक करते।

हर दिन शिविरचर्या में योजना बनती हमें दूसरे दिन क्या बेहतर करना है। फिर सांस्कृतिक कार्यक्रम जिसमें सभी स्वयं सेवकों ने बढ़चढ़ कर भाग लेते हर दिन ग्रामीणों की भीड़ बढ़ती ही रही और कलाकारों का उत्साह भी।

P.T.O

आज इस विदाई के दिन हम आप सभी से बोलना चाहते हैं वह अनुभव जो सात दिनों में हमें यहां मिला वो यादों का खजाना जो हम यहां से लेकर जायेंगे हम शुक्रिया करते हैं यहां के मंदिर परमार की माता जी और दादी जी का जितना सहयोग हमें अभिभावकों की तरह मिला जो कभी ~~कुई~~ लगा ऐसा लगा कोई अपना है और हुआ भी वैसा ही एक दिन हमारा चावल खत्म हुआ और हमें सुबह ही पता चला शहर से आने में देरी होगी कहकर हमने गांव से ही खरीदने का सोचा और बच्चे जब गांव की दुकान गये तो चावल नहीं मिला फिर मंदिर गये और दादी जी ने एक बोरी चावल भिजवाया और कई तरह से इन्होंने हमारी मदद की। माध्यमिक शाला का हमें पूरा सहयोग रहा। ग्रामीण जनों ने हमारा निरंतर उत्साह बढ़ाया सरपंच सचिव का हमें पूरा पूरा सहयोग मिला। कभी वो अवसर नहीं आया की हमें लगा हो यहां आकर गलती हो गई नहीं ऐसा लगा जैसे हम अपनों के बीच आए हैं। हमारे स्वयं सेवकों ने भी पूरी मर्यादा और निष्ठा से देशभक्ति के साथ अनुशासित चर्या का पालन किया। सर्वे में हमने देखा कि यहां के लोग विकास के प्रति जागरूक है जानकारी रखते हैं। सहयोगी है। यहां की महिलाएं सशक्त हैं।

हमने यहां बहुत कुछ सीखा। आज हम अपने स्वयं सेवकों से यही कहना चाहेंगे की जो सीखा उसे अपने जीवन में अमल में लाना है इस अनुभव को खाली नहीं जाने दें समाज सेवा से जुड़े

जुबां से बात निकलकर कलाम हो जाए
तुम्हारी मिल्कियत, आसमान हो जाए।
करो तो ऐसा करो, जिन्दगी में काम कोई
तुम्हारे काम से भारत का नाम हो जाए

जय हिन्द

कार्यक्रम अधिकारी
राष्ट्रीय सेवा योजना
शासकीय महेन्द्र कर्मा कन्या
महाविद्यालय, दंतेवाडा (छ.ग.)